Your Imagination, we Print...
JGP
JAY graphics & printers
COMMERCIAL PRINTERS
C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

GANDHINAGAR

पाटनगर उदय

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888

• वर्ष : 10 • अंक : 271 • दिनांक : 07-07-2026, TUESDAY • पेज : 04 • मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'
दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये
सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय
403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.
अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेलवे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.
मोबाईल नं. : 93288 95485
email:- patnagaruday@gmail.com

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेलः patnagaruday@gmail.com

देश की 85% आबादी मुस्लिम, फिर भी गरुड़ एयरलाइन, नोट पर गणेश की तस्वीर छपी

PM मोदी इंडोनेशिया पहुंचे, फाइटर जेट्स ने एस्कॉर्ट किया

»जकार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को इंडोनेशिया पहुंचे। सीमा पर पहुंचते ही मेजबान देश के फाइटर जेट्स ने उनके विमान को एस्कॉर्ट किया। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी का यहां तीसरा दौरा है।

एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच होने वाली द्विपक्षीय बैठक में करीब 2,500 करोड़ की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल डील पर मुहर लगने की संभावना है।

पीएम मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन भी जाएंगे। 9वीं शताब्दी में बना यह मंदिर भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा को समर्पित है और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

इंडोनेशिया दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है, लेकिन उसकी सांस्कृतिक विरासत पर हिंदू-बौद्ध सभ्यता की गहरी छाप दिखाई देती है। यहां रामलीला होती है, गरुड़ एयरलाइन है और नोट पर भगवान गणेश की तस्वीर भी छप चुकी है। इंडोनेशिया का साबंग पोर्ट अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के बेहद करीब है। भारत और इंडोनेशिया ने 2018 में प्रधानमंत्री मोदी की जकार्ता यात्रा के दौरान साबंग पोर्ट और

आसपास समुद्री सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। इसके तहत पोर्ट के विकास, समुद्री संपर्क, लॉजिस्टिक सहयोग और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया गया। भारत और इंडोनेशिया के बीच करीब 2,500

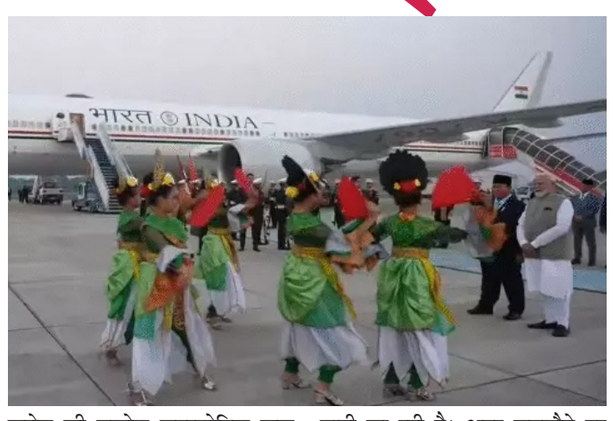

करोड़ की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम की संभावित डील इस यात्रा का सबसे अहम एजेंडा मानी जा रही है। अगर समझौते पर मुहर लगती है तो फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने वाला दूसरा विदेशी ग्राहक बन सकता है।

ब्रह्मोस मिसाइल का विकास भारत के DRDO और रूस की 'एनपीओ मशिनोस्ट्रोयेनिया' के संयुक्त उपक्रम ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने किया है। यह दुनिया की सबसे तेज ऑपरेशनल सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिनी जाती है। भारत और इंडोनेशिया के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों की बात करें, तो ये करीब 2,000 साल पुराने माने जाते हैं। प्राचीन काल से भारतीय व्यापारियों, हिंदू और बौद्ध संस्कृति का इंडोनेशिया पर गहरा प्रभाव रहा है।

आज भी इंडोनेशिया के बाली और जावा में रामायण और महाभारत पर आधारित नृत्य-नाटक और सांस्कृतिक परंपराएं प्रचलित हैं। वहां 85% मुस्लिम आबादी होने के बाद भी 20 हजार रुपिया के नोट पर भगवान गणेश की फोटो छपी थी। इसके अलावा भी कई ऐसे प्रतीक है, जिसमें भारतीय संस्कृति की छाप मिलती है। पीएम मोदी का यह 102 वां विदेश दौरा है। वहीं वह तीसरी बार इंडोनेशिया पहुंचे हैं। उनका पहला दौरा मई 2018 में हुआ था। इसके बाद मोदी सितंबर 2023 में जकार्ता में आयोजित 20वीं आसियान (ASEAN)-भारत और 18वीं ईस्ट एशिया समिट में शामिल होने इंडोनेशिया पहुंचे थे।

महाराष्ट्र के सातारा में पुल टूटा, क्रेन से कारें निकालीं :मुंबई में रेलवे ट्रैक, एक्सप्रेस-वे बंद

जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड, हिमाचल में कार पर पत्थर गिरा

»भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना

देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। इससे तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा।

उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूटने से 10-12 पर्यटक फंस गए। कारों को क्रेन की मदद से निकाला गया।

BMC ने आज सभी सरकारी और प्रायवेट स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की है। मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द हुईं। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है।

वहीं जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड हो गई। 6-7 गाड़ियां मलबे में दब गईं। मलबा हटाने का काम जारी है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में चलती गाड़ी पर पत्थर गिरने से 14 साल की लड़की की मौत हो गई।

राजस्थान के पाली जिले की अरावली पहाड़ियों में भारी बारिश के कारण बाली और देसूरी-सादरी इलाकों में तेज बारिश हुई। कुछ ही देर में कई सड़कें पानी से भर गईं। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तट पर लापता छह मछुवारों की तलाश के लिए नौसेना और कोस्ट गार्ड का जॉइंट सर्च ऑपरेशन दूसरे दिन भी जारी रहा। सर्च ऑपरेशन में नौसेना का जहाज, रेस्क्यू बोट और हेलीकॉप्टर लगाए गए हैं। सात मछुआरे 1 जुलाई को समुद्र में गए थे, जिनमें से एक को गुजर रहे जहाज ने बचा लिया, जबकि छह अब भी लापता हैं। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) की नई रिपोर्ट के मुताबिक इस साल का अल नीनो दुनिया में सबसे ज्यादा भारत के एनर्जी सिस्टम को प्रभावित कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम बारिश और कमजोर हवाओं के कारण बिजली और पवन ऊर्जा उत्पादन घटेगा, जबकि बढ़ती गर्मी में एयर कंडीशनर के इस्तेमाल के कारण बिजली की मांग तेजी से बढ़ेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई 2026 से जून 2027 के बीच भारत में करीब 18 टेरावाट घंटे (TWh) बिजली की कमी हो सकती है। पुणे में भूस्खलन और तेज बहाव की अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश की वजह से लोनावला में कार्ला से लोहागढ़ किले तक सड़क का एक हिस्सा पानी में डूब गया। मुंबई के बोरीवली वेस्ट के गोराई इलाके में मनोरी बीच के पास एक विदेशी जहाज फंस गया। गोराई पुलिस, कोस्ट गार्ड और INS हमला की टीम मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और जरूरी ऑपरेशन किया।

गुजरात में शेर का किसान पर हमला : हाथ जबड़े में आधे घंटे दबाए रखा, फिर छोड़ा

एक और व्यक्ति पर भी हमले की कोशिश की

»भावनगर

गुजरात में भावनगर के पालीताना तालुका में सोमवार सुबह शेर ने किसान पर हमला कर दिया। किसान कालूभाई बोगभाई परमार ने बताया कि शेर ने मेरी पीठ पर वार किया और मुझे गिरा दिया। फिर उसने मेरा हाथ अपने मुंह में पकड़ लिया। उसने मुझे करीब आधे घंटे तक पकड़े रखा।

कालूभाई ने बताया, 'मैं लगातार उससे छूटने की कोशिश करता रहा। मैंने उसे खरोंचा भी, लेकिन उसकी पकड़ मजबूत थी।' शेर ने इसके पहले एक और व्यक्ति पर हमले की कोशिश की, लेकिन उसने भाग कर खुद को घर में बंद कर लिया। भावनगर, गिर नेशनल पार्क के इलाके में है। यहां अक्सर घरों और खेतों के आसपास शेर देखे जा सकते हैं। किसान कालूभाई बोगभाई परमार ने बताया, 'मैं सुबह 10:30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहा था। तभी यह घटना हुई। मैंने खुद को बचाने के लिए शेर को खरोंचा, जिससे उसने मेरा हाथ छोड़ दिया।' उन्होंने बताया, 'मैं तुरंत वहां से भागा। इसके बाद शेर मेरी गाय के पीछे चला गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि शेर जमीन पर बैठा है और आदमी को दबाए हुए है। शेर ने आदमी के पैर पर काट लिया। आदमी अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है।' शेर के हमले से बचने वाले हेमूभाई गढ़वी ने बताया, 'मैं सुबह दूध लेकर आया था, सुबह 8:30 से 9 बजे के बीच का समय था। घर में सब लोग चिल्लाने लगे कि भाई, शेर हमारी बाड़ में घुस आया है। मैं दौड़कर वहां गया।

जब मैंने अपनी भैंस को छोड़ा, शेर सीधे मेरी ओर दौड़ा तो मैं जान बचाने भागा और पास में अपने भाई के घर में घुस गया और दरवाजा बंद कर लिया। मेरी भैंस भी भागी, लेकिन वहीं गिर गई। इससे शेर का ध्यान मेरी ओर से हट गया और मैं और मेरी मां दोनों बच गए।

उसके बाद शेर वहां से भाग गया। कुछ देर बाद कालूभाई मेरे घर की तरफ आए तो शेर ने उन पर हमला कर दिया। गरजिया गांव की सरपंच के पति सावजीभाई ने बताया कि उन्होंने इस घटना की सूचना वन विभाग को दी। वन विभाग की टीम डेढ़ घंटे में मौके पर पहुंच गई। शेर को पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

इस घटना के बाद गरजिया गांव और आसपास के इलाकों के पशुपालकों में अपने पशुओं और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता और दहशत का माहौल है। डरे हुए बच्चे स्कूल नहीं गए।

पालीताना तालुका पंचायत सदस्य चेतन डाभी ने कहा, हमने वन विभाग से अपील की है कि यहां के शेरों को सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया जाए। गांव में सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण हमने वन विभाग को कई बार सूचित किया है, लेकिन फिर भी वन विभाग ध्यान नहीं दे रहा है।

हाफिज सईद ने ही पहलगाम हमले की साजिश रची :NIA बोली- भारत के खिलाफ जंग छेड़ी

अब तक हमले के आरोपी 3 आतंकी ढेर

»नई दिल्ली

पहलगाम हमले पर NIA ने सोमवार को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की। एजेंसी ने कहा कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद ने ही रची थी। NIA ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है।

22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों ने पहलगाम की बैसरन घाटी में फायरिंग की थी। टूरिस्टों की धर्म पूछकर हत्या की गई थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। इसके बाद भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। पाकिस्तान और PoK में 9 ठिकानों पर हमला किया था। भारत का दावा है, इसमें 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए।

पहलगाम हमले के बाद NIA ने 15 दिसंबर 2025 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट समेत 6 आतंकियों को आरोपी बनाया था। उस वक्त हाफिज सईद का नाम सामने नहीं आया था। पहलगाम हमले के 3 आतंकी मारे जा चुके हैं। आतंकियों का हैंडलर सैफुल्लाह जट्ट उर्फ लंगड़ा अभी जिंदा है। उस पर 10 लाख का इनाम है। लश्कर आतंकी सैफुल्लाह जट्ट उर्फ लंगड़ा को मास्टरमाइंड बताया गया था। साजिद पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी थी। हमले के दौरान आतंकियों से बात कर रहा था। टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार वक्त रहते जानकारी देते तो हमला को टाला जा सकता था। दरअसल, दोनों गाइड ने आतंकियों को बैसरन में देखा था लेकिन सुरक्षा एजेंसियों को नहीं बताया। दोनों गिरफ्तार हो चुके हैं। हमले से एक दिन पहले तीनों आतंकियों ने गाइड परवेज की झोपड़ी में खाना खाया। जाते वक्त रोटी-सब्जी भी साथ ले गए थे। तीनों आतंकियों ने फायरिंग से पहले बैसरन घाटी में एक पेड़ के नीचे खाना खाया। वारदात के बाद तीनों ने धार्मिक नारे लगाते हुए फायरिंग भी की थी।

हमले में जिस एक्शन कैमरे का इस्तेमाल किया, वह अमेरिका में बना था और चीन के रास्ते आतंकियों तक पहुंचा था। ये एक छोटा एक्शन कैमरा है, इसे बाइकिंग, ट्रैकिंग, डाइविंग और यात्रा के दौरान वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए बनाया गया है। हमले में शामिल आतंकियों का 28 जुलाई को एनकाउंटर हुआ था। इनके पास से ऑरेंज कलर का RedMi 9T और एक ब्लैक कलर का RedMi Note 12 बरामद हुआ था। दोनों मोबाइल कराची की सप्लाई चेन के जरिए पाकिस्तान पहुंचे थे। इनके नेविगेशन ऐप में बैसरन घाटी की लोकेशन और स्क्रीनशॉट मिले।

खामेनेई की अंतिम यात्रा- 10km लंबे रूट पर लाखों लोग:10 घंटे तक चलेगा जुलूस

»तेहरान

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा सोमवार को तेहरान में आगे बढ़ रही है। 10 किलोमीटर लंबे रूट पर लाखों लोग अंतिम दर्शन के लिए जुटे हैं। सरकारी मीडिया ने इसे देश के आधुनिक इतिहास का सबसे बड़ा जनसमूह बताया है।

भीड़ इतनी ज्यादा है कि कई जगह ताबूत ले जा रहा वाहन धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। आजादी स्ट्रीट समेत कई इलाकों में लोगों की इतनी भीड़ है कि कुछ समय के लिए वाहन को रुकना भी पड़ा।

प्रशासन ने लोगों से अंतिम यात्रा मार्ग पर बने रहने की अपील की है। अधिकारियों के मुताबिक, आखिर में खामेनेई के पार्थिव शरीर को हेलिकॉप्टर से अंतिम यात्रा मार्ग के ऊपर ले जाया जाएगा, ताकि दूर खड़े लोग भी अंतिम दर्शन कर सकें।

अंतिम यात्रा के बाद खामेनेई के पार्थिव शरीर को धार्मिक रस्मों के लिए कोम ले जाया जाएगा। इसके बाद उन्हें उनके गृह शहर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। शिया संप्रदाय के कुल 12 पवित्र इमामों में से इमाम रजा एकमात्र ऐसे इमाम हैं जिन्हें ईरान की धरती पर दफनाया गया है। बाकी के सभी इमाम या तो सऊदी अरब (मदीना) में हैं या इराक (नजफ, करबला, सामर्रा) में।

इमाम रजा शिया इस्लाम के आठवें इमाम माने जाते हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता से डरकर तत्कालीन शासक अब्बासी खलीफा ने जहर देकर हत्या करा दी थी।

जहां इमाम रजा को दफनाया गया, उस जगह का नाम बाद में 'मशहद' (शहीद होने की जगह) पड़ गया, जो आज ईरान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। मशहद शिया मुसलमानों के लिए मक्का, मदीना और करबला के बाद सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। यहां हर साल दुनिया के कई देशों से लाखों शिया श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में शामिल लाखों लोग पूरे ईरान की आवाज नहीं हैं। यह सिर्फ एक छोटा समूह है, जिसने ईरान पर कब्जा कर रखा है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में नेतन्याहू ने कहा कि मौजूदा ईरानी सरकार देश के सभी लोगों की राय का प्रतिनिधित्व नहीं करती। अंतिम यात्रा के बाद, मंगलवार को खामेनेई के पार्थिव शरीर को धार्मिक रस्मों के लिए तेहरान से कोम ले जाया जाएगा।

5 आतंकियों को उनके गांव लेकर पहुंची गुजरात ATS

मध्यप्रदेश-गुजरात से गिरफ्तार किए गए थे 8 आतंकी

»पालनपुर

गुजरात ATS ने आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) से जुड़े आठ आतंकियों को गुजरात और मध्य प्रदेश से पकड़ा था। जांच में पता चला है कि ये सभी गुजरात के रहने वाले हैं। इनमें से 5 तो पालनपुर तालुका के भागल गांव के ही रहने वाले हैं। सोमवार को एटीएस इन पांचों को लेकर भागल गांव में इनके घर पहुंची।

क्योंकि, गिरफ्तार किए गए 8 में से 5 आतंकी इसी गांव के रहने वाले हैं। मुदाशिर गाजीवाला और अहमद गाजीवाला चचेरे भाई हैं। एटीएस सभी संबंधित लोगों को साथ लेकर जांच कर रही है और ऐसी आशंका जताई जा रही है कि इस जांच में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। पालनपुर तालुका के भागल गांव में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकवादियों के घर पर तलाशी अभियान के दौरान, गुजरात एटीएस टीम ने आतंकवादी संगठन से संबंधित आपत्तिजनक साहित्य जब्त किया है। एटीएस अधिकारियों ने आतंकवादियों में से एक के घर से सामग्री से भरे दो बड़े बैग भी जब्त किए हैं। गुजरात ATS ने आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) से जुड़े आठ आतंकियों को 3 जुलाई को गुजरात और मध्य प्रदेश से पकड़ा है। सभी को अलग अलग जिलों से पकड़ा गया है। इनमें से दो की उम्र 18 और 19 साल है। ये सभी गुजरात में JeM का एक एक्टिव नेटवर्क बनाने के लिए काम कर रहे थे, ताकि आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया सके। एटीएस ने इनसे पूछताछ शुरू कर दी है। सूचना मिलने के बाद, एटीएस ने 5 अलग-अलग टीमें बनाकर एक बड़ा अभियान चलाया। एटीएस की टीमों ने गुजरात के बनासकांठा, मेहसाणा, नवसारी, पाटण और मध्य प्रदेश के देवास से 8 लोगों को गिरफ्तार किया।

जांच में पता चला है कि ये सभी गुजरात के ही रहने वाले हैं और एक पाकिस्तानी हैंडलर के इशारों पर काम कर रहे थे। गुजरात के एटीएस डीआईजी सुनील जोशी ने बताया कि पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और बाद में छह अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से काफी साहित्य और झंडे भी बरामद हुए। आरोपियों से जब्त मोबाइल फोन से काफी जानकारियां मिली हैं। डीआईजी सुनील जोशी ने आगे बताया कि सभी सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के अब्दुल्ला साहब नाम के एक हैंडलर के संपर्क में थे। हैंडलर के इशारे पर ही गुजरात में मजबूत नेटवर्क खड़ा करने कोशिशों में लगे हुए थे। इन्हें एक शख्स के जरिए 3 लाख रुपए भी मिले थे। ये गुजरात में पाटण के एक मदरसे में रह रहे थे। मदरसे से साहित्य और कुछ पर्चे भी जब्त किए गए हैं। डीआईजी सुनील जोशी ने कहा- आरोपियों ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के लिए गुजरात में एक तंजीम नाम का संगठन बनाया था। वर्तमान में, तंजीम में 8 सदस्य शामिल हो चुके थे और अपने क्षेत्र में अन्य सदस्यों को शामिल करने के लिए उनका ब्रेनवॉश कर रहे थे। जांच में यह भी पता चला है कि ये जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी साहित्य का गुजराती में अनुवाद करके स्थानीय स्तर पर इसकी विचारधारा का प्रचार भी कर रहे थे।

संपादकीय

सशक्त भारत के स्वप्नदर्शी राजनेताः पीएम नरेंद्र मोदी

आज 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। उनके व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं। उनका जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी, लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना।

उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस यात्रा में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया, मगर इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपना हौसला कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया। डा. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय के सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। वे मानते थे कि हमें ऐसे विद्यार्थी तैयार करने होंगे, जो नेतृत्व की भूमिका निभा सकें।

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। इसी संघर्ष के दौरान उनका निधन हुआ। उस समय आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डा. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी।

जब पूरे देश में कांग्रेस का वर्चस्व था तब उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना का निर्णय लिया, क्योंकि उन्हें महसूस हुआ कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न 'दीपक' यानी मिट्टी का दीया रखा गया। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें गहन अंधकार को मिटाने की भी अद्भुत शक्ति होती है। स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में वे उद्योगों को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। उन्होंने दामोदर वैली कारपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति के माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे।

आत्मनिर्भर भारत के विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डा. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहे लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया। भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डा. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतीक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है।

जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी गरिमा के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन उस राजनीतिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पित कर दिया, जिसे वे राष्ट्र के लिए आवश्यक मानते थे। जब पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए तो इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर सीधा प्रहार माना गया। तब डा. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भलीभांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती है। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। पहला संविधान संशोधन लेकर आई पार्टी की सरकार ने वर्ष 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। कांग्रेस सरकार ने 42वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर कुठाराघात किया।

गांधीनगर-एयरपोर्ट रोड पर अत्याधुनिक केबल-स्टेड फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के हाथों अहमदाबाद-गांधीनगर कॉरिडोर के समग्र विकास को नई गति

कोबा सर्कल और भाट सर्कल के बीच नर्मदा मुख्य नहर पर बने पुल को 12 लेन में विस्तारित करने की परियोजना का भूमिपूजन

»ब्यूरो रिपोर्ट : जयु टांक, पत्रकार, सूरत (गुजरात)9624986108

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार, 5 जुलाई 2026 को गांधीनगर-एयरपोर्ट रोड पर भाट चौराहे स्थित अत्याधुनिक केबल-स्टेड फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण कर इसे आम जनता के लिए यातायात हेतु समर्पित किया।

सड़क एवं भवन विभाग तथा अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (AUDA) की 50-50 प्रतिशत भागीदारी से निर्मित यह फ्लाईओवर लगभग 175 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। 1.48 किलोमीटर लंबा यह पुल गुजरात के शहरी क्षेत्र का पहला केबल-स्टेड फ्लाईओवर ब्रिज है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कोबा सर्कल से भाट सर्कल के बीच नर्मदा मुख्य नहर पर बने मौजूदा 6-लेन पुल को 12-लेन में परिवर्तित करने की परियोजना का भी भूमिपूजन किया।

लगातार बढ़ते यातायात और ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए राज्य सरकार ने लगभग 48 करोड़ रुपये की लागत से वर्तमान पुल के दोनों ओर तीन-तीन लेन के नए पुलों के निर्माण का निर्णय लिया है। इससे पूरे कॉरिडोर में छह लेन की सतत क्षमता बनी रहेगी तथा भविष्य में बढ़ने वाले यातायात का भी सुगमता से संचालन हो सकेगा।

गांधीनगर-कोबा-एयरपोर्ट रोड और एस.पी. रिंग रोड पर प्रतिदिन लगभग 1.93 लाख से अधिक वाहनों की आवाजाही होती है। भाट सर्कल प्रमुख जंक्शन होने के कारण यहां अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न होती थी, जिससे वाहन चालकों का समय, ईंधन और धन व्यर्थ होता था।

अब इस नए केबल-स्टेड फ्लाईओवर के शुरू होने से एस.पी. रिंग रोड का यातायात फ्लाईओवर के नीचे से तथा अहमदाबाद-गांधीनगर की ओर जाने वाला यातायात फ्लाईओवर के ऊपर से संचालित होगा, जिससे ट्रैफिक का बेहतर प्रबंधन होगा और जाम से राहत मिलेगी।

इसके अतिरिक्त, एस.पी. रिंग रोड, वडोदरा और सूरत की ओर जाने वाले वाहनों की सुविधा के लिए तीन-तीन लेन के कुल 6 लेन वाले अलग सर्विस रोड भी बनाए गए हैं।

इस अवसर पर सांसद हसमुखभाई पटेल, गांधीनगर की विधायक रीताबेन पटेल एवं अल्पेशभाई ठाकोर, गांधीनगर की महापौर मीराबेन पटेल, शहर भाजपा अध्यक्ष आशीष दवे, संगठन के पदाधिकारी, सड़क एवं भवन विभाग के सचिव प्रभात पटेलिया तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

11 से 13 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे

सूरत आरटीओ द्वारा मोटरसाइकिलों के गोल्डन एवं सिल्वर पसंदीदा नंबरों की नई श्रृंखला GJ 05 US की ऑनलाइन नीलामी आयोजित की जाएगी

»ब्यूरो रिपोर्ट :- जयु टांक, पत्रकार, सूरत, 9624986108

सूरत के पाल स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) द्वारा मोटरसाइकिलों के लिए गोल्डन एवं सिल्वर पसंदीदा नंबरों की नई श्रृंखला GJ 05 US के आकर्षक नंबरों की ऑनलाइन नीलामी आयोजित की जाएगी। इसके लिए 11 से 13 जुलाई तक पंजीकरण किया जा सकेगा तथा 13 से 15 जुलाई के बीच ऑनलाइन नीलामी आयोजित होगी।

पसंदीदा नंबर प्राप्त करने के इच्छुक वाहन मालिकों को अपने वाहन का पंजीकरण कराने के बाद http://parivahan.gov.in/fancy पोर्टल पर जाकर रजिस्ट्रेशन करना होगा, यूज़र आईडी एवं पासवर्ड बनाना होगा तथा परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन नीलामी में भाग लेना होगा।

पसंदीदा नंबर के लिए आवेदन सेल इनवॉइस की तारीख अथवा बीमा (इंश्योरेंस) की तारीख, दोनों में से जो पहले हो, उस तारीख से 7 दिनों के भीतर करना अनिवार्य होगा। आवेदन की वैधता आवेदन की तारीख से 60 दिनों तक रहेगी।

यदि 60 दिनों के भीतर आवेदक को उसकी पसंद का नंबर उपलब्ध नहीं हो पाता है अथवा उपलब्ध नंबरों में से कोई नंबर आवंटित नहीं किया जा सकता, तो 60वें दिन पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा रैंडम प्रणाली से वाहन नंबर आवंटित कर दिया जाएगा।

यदि आवेदक नीलामी प्रक्रिया पूर्ण होने के 5 दिनों के भीतर अपनी बोली (Bid Amount) की राशि जमा नहीं करता है, तो उसकी जमा की गई बेस प्राइस (Base Price) राशि जब्त कर ली जाएगी तथा संबंधित नंबर की पुनः नीलामी की जाएगी।

आवेदक को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार शुल्क का भुगतान करना होगा। असफल आवेदकों को वर्तमान मैनुअल प्रक्रिया के अनुसार धनवापसी की जाएगी। यदि भुगतान नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड के माध्यम से किया गया होगा, तो राशि SBI E-PAY के जरिए उसी बैंक खाते में वापस कर दी जाएगी। यह जानकारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, पाल, सूरत द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

सूरत : पेंटिंग कॉम्पिटिशन के ज़रिए पर्यावरण और देशभक्ति का अनोखा संदेश

»रिपोर्ट : दिनेशभाई ठाकोर, सूरत

5 जुलाई, 2026 को 306, अंजनी आइकॉन, GEB ऑफिस के सामने, जहांगीरपुरा, सूरत में हनीकॉम्ब सेवा प्रकल्प, गीतांजलि क्लासेस, ल्यूमिक्स, इंटरनेशनल हिंदू परिषद – राष्ट्रीय बजरंग दल, कलामंथन आर्ट एकेडमी, द रेवोल्यूशन क्लब, माई भारत सूरत (मिनिस्ट्री ऑफ़ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स, गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया), नैतिक आवाम सांस्कृतिक प्रशिक्षण संस्थान, लश्याकलावृंद और फ्लावर वैली इंटरनेशनल स्कूल की मिली-जुली पहल से एक बड़ा पेंटिंग कॉम्पिटिशन ऑर्गनाइज़ किया गया।

कॉम्पिटिशन में बच्चों ने 'प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करें', 'पर्यावरण की रक्षा करें', 'पेड़ों की रक्षा करें', '2047 का भारत' और 'पानी बचाओ अभियान' जैसे सोशल और देश बनाने वाले टॉपिक पर खूबसूरत तस्वीरें बनाईं।

इस इवेंट का मुख्य मकसद बच्चों में क्रिएटिविटी, ओरिजिनल सोच और सोशल ज़िम्मेदारी बढ़ाना था। बच्चों की बनाई तस्वीरों से यह मैसेज दिया गया कि वे समाज में एक पॉजिटिव मैसेज फैलाएंगी और सूरत शहर को न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में एनवायरनमेंट अवेयरनेस और पॉजिटिव सोच के लिए एक इंस्पिरेशन बनाएंगी।

इस प्रोग्राम में 300 से ज़्यादा बच्चों, कॉलेज स्टूडेंट्स, टीचर्स और पेरेंट्स ने जोश के साथ हिस्सा लिया और इंस्टीट्यूशन्स की पॉजिटिव कैंपेन में हिस्सा लेकर प्रोग्राम को सफल बनाया।

इस प्रोग्राम में श्री तेजदानभाई गढ़वी, कॉर्पोरेटर हर्ष मेहता, यूट्यूबर तुषारभाई सोनवणे, इंटरनेशनल हिंदू काउंसिल के मिनिस्टर रवि गुप्ता, राष्ट्रीय बजरंग दल के सूरत मेट्रोपॉलिटन सिटी के ओम प्रकाश शर्मा समेत कई जाने-माने लोग शामिल हुए। गेस्ट्स ने बच्चों का हौसला बढ़ाया और उन्हें एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन और नेशन बिल्डिंग में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका के बारे में गाइड किया।

नवजात शिशुओं की चोरी जैसी घटनाओं को रोकने में नई प्रणाली बनेगी वरदान

नई सिविल अस्पताल के NICU में नवजात शिशुओं की सुरक्षा के लिए RFID सिस्टम हुआ शुरू

यदि कोई व्यक्ति शिशु को लेकर वार्ड से बाहर जाने का प्रयास करेगा तो प्रवेश द्वार पर लगे सेंसर सक्रिय हो जाएंगे और स्वतः सायरन बज उठेगा

»ब्यूरो रिपोर्ट : जयु टांक, पत्रकार, सूरत, मो. 9624986108

सूरत, सोमवारः नवजात शिशुओं की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने तथा शिशु चोरी जैसी गंभीर घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से दक्षिण गुजरात के सबसे बड़े नई सिविल अस्पताल के नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट (NICU) में रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID) आधारित आधुनिक सुरक्षा प्रणाली शुरू की गई है।

इस नई तकनीक आधारित सुरक्षा व्यवस्था का डेमो आज सुबह अस्पताल की अधीक्षक डॉ. पारुल वडगामा और आरएमओ डॉ. केतन नायक सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। पूर्व में नवजात शिशु चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से यह अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली स्थापित की गई है।

अस्पताल की अधीक्षक डॉ. पारुल वडगामा ने बताया कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से नवजात शिशुओं की सुरक्षा और अधिक सुदृढ़ होगी। नई व्यवस्था के तहत NICU में भर्ती प्रत्येक नवजात शिशु के हाथ में एक विशेष RFID बैंड लगाया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति शिशु को लेकर वार्ड से बाहर जाने का प्रयास करेगा, तो प्रवेश द्वार पर लगे सेंसर तुरंत सक्रिय हो जाएंगे और स्वतः सायरन बजने लगेगा। सायरन बजते ही अस्पताल की सुरक्षा टीम तत्काल सतर्क हो जाएगी और यह जांच शुरू कर देगी कि शिशु को कौन बाहर ले जाने का प्रयास कर रहा है।

डॉ. वडगामा ने आगे बताया कि पहले भी ऐसी सुरक्षा प्रणाली उपलब्ध थी, लेकिन समय के साथ वह बंद हो गई थी। अब उसे नई तकनीक के साथ पुनः कार्यरत किया गया है। आने वाले दिनों में अस्पताल के गायनेकोलॉजी वार्ड में भी इसी प्रकार की सुरक्षा प्रणाली स्थापित की जाएगी, जिससे नवजात शिशु चोरी जैसी घटनाओं पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया जा सकेगा।

जन सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धताः भारी बारिश के बीच राज्य सरकार का प्रशासन पूरी तरह सतर्क और तैयार

»ब्यूरो रिपोर्ट : जयु टांक, पत्रकार, सूरत, 9624986108

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में इस समय बारिश का दौर जारी है। विशेष रूप से सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के कई इलाकों में मूसलाधार वर्षा हुई है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (SEOC), गांधीनगर की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान अमरेली जिले के राजुला तालुका में सर्वाधिक लगभग 10 इंच बारिश दर्ज की गई है।

भारी वर्षा की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार का प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ एवं राहत-बचाव की तैयारियाँ की गई हैं।

»रिपोर्ट : जयु टांक, पत्रकार, सूरत

सूरत शहर में दो घंटे में चार इंच बारिश। रांदेर क्षेत्र की घटनाः सुजाखान स्ट्रीट में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत होने की खबर।

सूरत जिले में व्यापक वर्षा : दो घंटे में चार इंच बारिश

सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक चोर्यासी, कामरेज और सूरत शहर में उल्लेखनीय बारिश

»ब्यूरो रिपोर्ट : जयु टांक, पत्रकार, सूरत, मो. 9624986108

पूरे सूरत जिले में मेघराजा जमकर बरस रहे हैं। सूरत जिला फ्लड कंट्रोल रूम से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, आज सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक 12 घंटों के दौरान जिले के सभी तालुकों में व्यापक वर्षा दर्ज की गई। सूरत शहर में मात्र दो घंटे के दौरान लगभग चार इंच बारिश हुई।

आज जिले में औसतन 37.17 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सुबह 6:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक के दौरान सबसे अधिक 112 मिमी वर्षा सूरत शहर में दर्ज की गई। इसमें शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे के बीच ही 105 मिमी वर्षा हुई।

अन्य क्षेत्रों में कामरेज में 84 मिमी, बारडोली और अंबिका तालुका में 38-38 मिमी, पलसाणा में 35 मिमी, चोर्यासी में 32 मिमी, मंगरोल में 26 मिमी, ओलपाड में 24 मिमी, महुवा में 18 मिमी, उमरपाडा में 17 मिमी तथा अरेठ में 15 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जबकि मंडवी में सबसे कम 7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

महुवा तालुका के फुलवाड़ी गांव में तेज बारिश और हवा के कारण सुरेशभाई पटेल के कच्चे मकान की छत का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं अंबिका तालुका के बाम्भणिया गांव में सुमनभाई के पुराने मकान का एक हिस्सा गिर जाने की सूचना प्राप्त हुई है। मेघराजा में पूरे सूरत जिले में भारी बारिश हो रही है। सूरत जिले के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिले आंकड़ों के अनुसार, सूरत जिले के सभी तालुकाओं में सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटों के दौरान भारी बारिश दर्ज की गई है। इस दौरान सूरत शहर में आसमानी आफत जैसी स्थिति बन गई, जहां सिर्फ दो घंटे की छोटी सी अवधि में चार इंच भारी बारिश हुई।

आज पूरे जिले में औसतन 37.17 mm बारिश दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा बारिश 112 mm सूरत शहर में ही सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे के बीच दर्ज की गई। खासकर शाम 4 बजे से 6 बजे के बीच 105 mm (करीब चार इंच) बारिश हुई, जिससे जन-जीवन प्रभावित हुआ। जिले के अन्य तालुकाओं की बात करें तो कामरेज में 84 mm और बारडोली व अंबिका तालुकाओं में 38 mm बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा, पलसाना में 35 mm, चोर्यासी में 32 mm, मांगरोल में 26 mm, ओलपाड में 24 mm, महुवा में 18 mm, उमरपाड़ा में 17 mm और अरेथ में 15 mm बारिश हुई है। जबकि मांडवी तालुका में सबसे कम 7 mm बारिश रिकॉर्ड की गई। जिले में भारी बारिश और तेज़ हवाओं से नुकसान की खबरें भी सामने आई हैं। महुवा तालुका के फुलवाड़ी गांव में, सुरेशभाई पटेल के फूस के घर की छत का पिछला हिस्सा बारिश के साथ तूफ़ान जैसी हवाओं के कारण गिर गया। दूसरी ओर, अंबिका तालुका के बंभानिया गांव में सुमनभाई के पुराने घर का एक हिस्सा गिरने की खबर मिली है।

विंबलडन में बदल रही है चैंपियनों की किस्मत! स्वियातेक बाहर, दिमित्रोव-कीज ने बचाई उम्मीदें

लंदन, एजेंसी। विंबलडन 2026 में लगातार ऐसे नतीजे सामने आ रहे हैं, जिन्होंने टेनिस प्रशंसकों को चौंका दिया है। महिला एकल में जहां मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक का सफर तीसरे दौर में ही खत्म हो गया, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ग्रिगोर दिमित्रोव और मैडिसन कीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे दौर में जगह बना ली। बड़े उलटफेर और रोमांचक मुकाबलों ने इस बार के विंबलडन को और दिलचस्प बना दिया है।

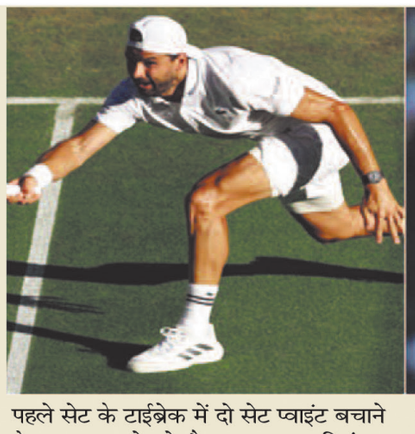

एलेक्जेंड्रा एला ने रचा इतिहास, स्वियातेक को किया बाहर

21 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-6(9), 6-2 से हराया। पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट प्वाइंट बचाने के बाद एला ने पूरे मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ वह ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गईं। पिछले कुछ महीनों से शानदार फॉर्म में चल रही एला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े खिलाड़ियों को चुनौती देने का दम रखती हैं। अब उनका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी से होगा।

दिमित्रोव की दमदार वापसी, पांच सेट तक चला रोमांच

पुरुष एकल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने इटली के माटेओ बेरेटिनी को 6-3, 6-4, 3-6, 5-7, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। तीन घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में दिमित्रोव ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीत लिए थे, लेकिन बेरेटिनी ने शानदार वापसी कर मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।निर्णायक सेट में दिमित्रोव ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण समय पर सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत दर्ज की। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले साल की निराशा के बाद इस कोर्ट पर जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद खास है। यह सिर्फ जीत या हार की बात नहीं है, बल्कि हर चुनौती को पार करने के बारे में है।' अब चौथे दौर में उनका सामना ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी से होगा।

कीज ने दिखाई चैंपियन जैसी वापसी

महिला एकल में अमेरिका की 26वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने पहला सेट गंवाने के बावजूद अमांडा अनिसिमोवा को 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। कीज की यह लगातार 10वीं ग्रास कोर्ट जीत रही और वह करियर में छठी बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंची हैं।अनिसिमोवा ने पहले सेट में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे और तीसरे सेट में सात डबल फॉल्ट उनकी हार की बड़ी वजह बने। दूसरी ओर कीज ने अपने दमदार बेसलाइन शॉट्स और सटीक सर्विस के दम पर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा।

खिताब की दौड़ हुई और रोमांचक

स्वियातेक और दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना के बाहर होने से महिला वर्ग पूरी तरह खुल गया है। वहीं दिमित्रोव और कीज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार विंबलडन में अनुभव और धैर्य भी खिताब की दौड़ में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। चौथे दौर के मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट अब और रोमांचक होने की उम्मीद है।

ईशान बोले-हमने परफेक्ट टीम चुनी थी

दूसरे टी-20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का दिया जवाब

लंदन(एजेंसी)। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। ऑफ स्पिनर की कमी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि टीम प्रबंधन ने सर्वश्रेष्ठ संयोजन के साथ मैदान में उतरने का फैसला किया था।ईशान ने कहा, 'नहीं, मेरा मानना है कि हमने परफेक्ट टीम चुनी थी। जब आप मैच नहीं जीतते हैं तो बहुत सारे सवाल और अगर-मगर सामने आने लगते हैं। लेकिन हमारे सभी गेंदबाज बेहतरीन हैं। उन्होंने पहले भी अलग-अलग परिस्थितियों में टीम को जीत दिलाई है। सपाट विकेटों पर भी विकेट निकाले हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि टीम चयन के लिहाज से हम कुछ अलग कर सकते थे।'

विदेशी परिस्थितियों को बेहतर समझना होगा

हालांकि ईशान ने माना कि भारतीय टीम को इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुसार खुद को बेहतर ढंग से ढालने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमें यह समझना होगा कि परिस्थितियां कैसी हैं और हम उनमें कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हम भारत के बाहर खेल रहे हैं, इसलिए बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को यह समझना होगा कि यहां की पिच हमसे क्या मांगती है। सिर्फ एक बल्लेबाज या एक गेंदबाज अंतर नहीं ला सकता। पूरी टीम को मिलकर यह समझना होगा कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।'

हमें 20 रन और जोड़ने होंगे

ईशान किशन का मानना है कि भारत लगातार अपनी पारियों के आखिरी ओवरों में गति खो रहा है, जिससे टीम 15-20 रन पीछे रह जा रही है।उन्होंने कहा, 'हमें यह देखना होगा कि हम अतिरिक्त 20 रन कहां से बना सकते हैं।चाहे चौके-छक्कों से या बड़े मैदानों में गैप्स का बेहतर इस्तेमाल करके।इंग्लैंड के बल्लेबाज यहां की परिस्थितियों को हमसे बेहतर समझते हैं।

इंग्लैंड ने बनाई सीरीज में बढ़त

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन (49), अभिषेक शर्मा (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर (37) की पारियों की मदद से 190/7 का स्कोर बनाया।जवाब में इंग्लैंड ने जैकब बेथेल की नाबाद 76 रन की शानदार पारी के दम पर 19 ओवर में 191/6 बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया।भारत की हार में 17वां ओवर निर्णायक साबित हुआ, जिसमें रवि बिश्नोई ने 29 रन खर्च किए।

सह-मेजबान कनाडा का सफर समाप्त

- लगातार दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को

ह्यूस्टन। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में मोरक्को ने सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्टार मिडफील्डर अज़्ज़ेदीन औनाही ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जबकि इंजरी टाइम में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। अब मोरक्को का सामना 9 जुलाई को बोस्टन में होने वाले क्वार्टर फाइनल में फ्रांस और पराग्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

पहले हाफ में कनाडा का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मुकाबले की शुरुआत में कनाडा ने शानदार खेल दिखाया और लगातार आक्रमण करते हुए मोरक्को की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। मैच का पहला बड़ा मौका कनाडा को मिला, जब अली अहमद के पास पर तानी ओलुवासेयी गोलकीपर के सामने पहुंच गए। हालांकि, मोरक्को के कनाडा में जन्मे गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाव कर अपनी टीम को शुरुआती झटका लगने से बचा लिया। पहले हाफ में मोरक्को को उस समय बड़ा झटका लगा, जब टूर्नामेंट के उनके शीर्ष स्कोरर इस्माइल साइबारी मांसपेशियों में चोट के कारण 22वें मिनट में मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। उनकी जगह सुफियान रहीमी को उतारा गया।

दूसरे हाफ में औनाही का जलवा

ब्रेक के बाद मोरक्को ने पूरी तरह मैच का रुख बदल दिया। 50वें मिनट में अशरफ हाकिमी के शानदार सेट-पीस पास पर अज़्ज़ेदीन औनाही ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन पहली टाइमिंग वाला शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद मोरक्को का आत्मविश्वास बढ़ गया, जबकि कनाडा की टीम दबाव में आ गई। 82वें मिनट में तेज जवाबी हमले के दौरान ब्राहिम डियाज के पास पर औनाही ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

रहीमी ने जीत पर लगाई मुहर

इंजरी टाइम (90+8वें मिनट) में ब्राहिम डियाज के शानदार थ्रू पास पर सुफियान रहीमी ने गोल दागकर मोरक्को की 3-0 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी। रहीमी इससे पहले एक हेडर में क्रॉसबार से भी टकराए थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज करा ही लिया।

मोरक्को ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ मोरक्को लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। इसके साथ ही वह विश्व कप इतिहास में एक से अधिक बार अंतिम-8 में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। कतर 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचने वाली एटलस लायंस की टीम ने एक बार फिर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। वहीं, कनाडा का शानदार विश्व कप अभियान राउंड ऑफ-16 में समाप्त हो गया। हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम ने पहली बार विश्व कप में मैच जीतने के साथ नॉकआउट चरण तक पहुंचकर अपने देश के फुटबॉल इतिहास में नया अध्याय जरूर जोड़ा।

खत्म हो गई मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच दुश्मनी

चेन्नई, एजेंसी। एक समय भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित विवाद का हिस्सा रहे मुरली विजय और दिनेश कार्तिक अब शायद पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ चुके हैं। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मुरली विजय ने अपने संबोधन के दौरान दिनेश कार्तिक को लेकर ऐसी बातें कहीं, जिसने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वर्षों तक एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने वाले विजय ने सार्वजनिक मंच से कार्तिक की तारीफ करते हुए उन्हें अपना बेहद अजीज दोस्त बताया।

मंच से दिनेश कार्तिक की जमकर तारीफ

अपने भाषण में मुरली विजय ने कहा कि वह बचपन से दिनेश कार्तिक को खेलते हुए देख रहे हैं और उनके खेल के हमेशा प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अब मुझे दिनेश कार्तिक के बारे में बात करनी है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मैं उन्हें बचपन से देखता आया हूं। वह तमिलनाडु के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। वह एक बेहद गतिशील व्यक्तित्व के मालिक और मेरे बेहद अजीज दोस्त हैं।'

विजय ने आगे कहा, 'मैंने नॉन-स्ट्राइकर एंड से कई बार उनकी बल्लेबाजी को करीब से देखा है। उनके जैसा खेलते हुए मैंने किसी और को नहीं देखा। वह शानदार क्रिकेटर हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट की समझ ने मेरे करियर में काफी मदद की है और इसके लिए मैं मंच से उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।'

क्या था दोनों के बीच विवाद?

मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच का विवाद 2010 के शुरुआती वर्षों में सामने आया था। उस समय दोनों तमिलनाडु और भारतीय टीम के लिए साथ खेलते थे और बेहद करीबी दोस्त माने जाते थे। बाद में दिनेश कार्तिक और उनकी तत्कालीन पत्नी निकिता वंजारा का रिश्ता टूट गया। इसके बाद निकिता ने मुरली विजय से शादी कर ली। इस घटना के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच दूरियां बढ़ गईं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं की।

शानदार वापसी की

निजी जीवन में बड़े झटके के बावजूद दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने खुद को भारत के भरोसेमंद फिनिशर के रूप में स्थापित किया और कई यादगार पारियां खेलीं। बाद में उन्होंने भारतीय स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल से शादी की। हाल ही में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा हैं और क्रिकेट कमेंट्री व विश्लेषण में भी सक्रिय हैं। मुरली विजय के इस भावुक बयान को सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है।

संजू सैमसन के समर्थन में उतरे अंबाती रायुडू

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिला, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। इस फैसले के बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने संजू के समर्थन में सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया। रायुडू ने कहा कि सूर्यवंशी का डेब्यू जश्न मनाने लायक है, लेकिन संजू सैमसन के हालिया योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

रायुडू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'आइए संजू सैमसन के बारे में भी एक पल सोचें। वैभव को डेब्यू करते देखना बेहद खुशी की बात है और इसका जश्न मनाया जाना चाहिए, लेकिन यह मत भूलिए कि सिर्फ तीन टी20 मैच पहले संजू टी20 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' थे। मुझे उम्मीद है कि वह दमदार वापसी करेंगे। साथ ही मैं वैभव सूर्यवंशी के लंबे और रिकॉर्ड तोड़ने वाले करियर की भी शुभकामनाएं देता हूं।'संजू सैमसन पहले टी20 मुकाबले में सिर्फ सात गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद टीम प्रबंधन ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए युवा वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया।

प्रज्ञानंद ब्लिट्स में पिछड़े, अलीरेजा ने बढ़त बनाई

जागरेब(एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती नौ दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए। इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है।

प्रज्ञानंद चौथे स्थान पर खिसके

अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारूप में कमाल का खेल दिखाया और नौ में से आठ अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है। प्रज्ञानंद 15.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं, जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं, जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

ब्लिट्ज वर्ग में नौ दौर का खेल शेष

रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानंद ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानंद ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानंद से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है। अगर प्रज्ञानंद इस टूर्नामेंट के आखिरी दिन लय वापस पा लेते हैं तो उनके पास अब भी पोडियम पर जगह बनाने का मौका होगा।

फ्रांस-पराग्वे के खिलाड़ी भिड़े, हुई धक्का-मुक्की

फ्रांस और पराग्वे के बीच राउंड ऑफ-16 मुकाबले की आखिरी सीटी बजते ही मैदान पर माहौल गर्म हो गया।दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए और कुछ देर तक धक्का-मुक्की भी देखने को मिली।मैच के दौरान ही फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे और पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल के बीच भी तनातनी हो गई।एमबाप्पे ने गिल से हाथ नहीं मिलाया, जिसके बाद नाराज गोलकीपर ने उनके जाते समय पीठ पर मैच बॉल फेंक दी। हालांकि, फ्रांसीसी स्टार ने पलटकर कोई जवाब नहीं दिया और अपनी टीम के साथ जीत का जश्न मनाते रहे।मैच में दोनों टीमों के बीच 70 मिनट तक कड़ी टक्कर देखने को मिली।मैच के दौरान कई ऐसे पल आए, जब दोनों टीमों के खिलाड़ी भिड़ने पर आ गए।पर एक वक्त एमबाप्पे की लड़ाई पराग्वे के डिएगो गोमेज से हो गई।इसके बाद पराग्वे के खिलाड़ी एमबाप्पे को धक्का देने लगे।इस पर फ्रांस के खिलाड़ी भी पहुंच गए और जमकर धक्का मुक्की हुई।रेफरी पहले तो बीचबचाव करते हुए एमबाप्पे को साइड ले जाते दिखे, फिर जब दोनों टीमों के खिलाड़ी आ गए तो रेफरी ने किनारा कर लिया।

सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' का बनेगा सीक्वल

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का सीक्वल बनने वाला है। इस बात की पुष्टि खुद फिल्म के राइटर राज निदिमोरू ने की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

'मां इंटी बंगारम' की जबरदस्त सफलता के बाद विजाग में एक ग्रैंड सक्सेस मीट रखा गया था। इसी दौरान राज निदिमोरू ने फैंस को सरप्राइज देते हुए बताया कि फिल्म का दूसरा पार्ट भी आएगा। राज ने पहले वहां मौजूद लोगों से पूछा कि क्या वे इस कहानी को आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। जैसे ही लोगों ने जोरदार तालियां और चीयर किया, उन्होंने सीक्वल की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में पहले से एक आइडिया है। वही टीम इस पर काम करेगी। पहली बार मुझे किसी फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने की प्रेरणा मिली है। इसमें दोगुना मजा और दोगुना एक्साइटमेंट होगा। आगे चलकर मैं इसके बारे में और जानकारी दूंगा।'

राज ने यह भी बताया कि 'मां इंटी बंगारम' को लोगों से इतना प्यार मिला कि उन्हें अपने पुराने हिट प्रोजेक्ट्स से भी ज्यादा खुशी हुई, क्योंकि यह फिल्म सीधे दिल को छू गई। नंदिनी रेड्डी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सामंथा रुथ प्रभु के साथ गुलशन देवैया, श्रीमुखी और दिगंत मंचले नजर आए। इस फिल्म को सामंथा, राज निदिमोरू और हिमांशु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। बॉक्स ऑफिस की बात करें तो यह फिल्म महिला लीड पर आधारित फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

1980 के दौर पर आधारित इस कहानी में सामंथा 'स्वर्णा' का किरदार निभा रही हैं, जो अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ एक डॉक्टर से शादी करती है। शुरुआत में उसे ससुराल वालों का प्यार नहीं मिलता, लेकिन धीरे-धीरे वह सबका दिल जीत लेती है। तभी उसका अतीत लौटकर उसकी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देता है।

सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने अभिनेता सनी देओल के साथ काम करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अभिनेता के साथ काम करना, उनके करियर के लिए सौभाग्य की बात है। फिल्म 'इक्का' में दीया मिर्जा और सनी देओल साथ दिखाई देंगे। 'इक्का' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए दीया ने कहा कि वह हमेशा से देओल परिवार की प्रशंसक रही हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए हां कहने की वजह बताते हुए दीया ने कहा, 'जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह बहुत दिलचस्प, मानवीय और दमदार लगी। इसमें किरदारों को बहुत अनोखे, दिलचस्प और आकर्षक ढंग से दिखाया गया है, इसलिए मुझे हां कहना ही पड़ा। सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात है और मैं इसे लेकर बहुत खुश थी।' उन्होंने अपने को-स्टार्स तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की।

दीया मिर्जा ने कहा कि मैं हमेशा से देओल परिवार की दयालुता, उदारता और जमीन से जुड़े रहने की तारीफ करती रही हूं। सनी देओल बिल्कुल वैसे ही हैं जैसा मैंने सोचा था, बल्कि उससे भी बेहतर। मैंने टीजर लॉन्च के समय भी यह बात कही थी। ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना जिसमें तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार हों, यह सच में अद्भुत है और सिद्धार्थ ने कहानी को बहुत संवेदनशीलता और समझदारी से पेश किया है। दीया मिर्जा ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि अवंतिका एक ऐसी महिला है जो अपने आसपास के लोगों को अपनापन, हिम्मत और स्थिरता देती है, तब भी जब जिंदगी बहुत अनिश्चित हो जाती है। मैं उसकी हिम्मत और उस शांत साहस से प्रभावित हुई जिसके साथ वह अपनी चुनौतियों का सामना करती है। उन्होंने कहा कि 'इक्का' की खासियत यह है कि कोर्टरूम ड्रामा के पीछे परिवार, प्यार और मुश्किल फैसलों की एक गहरी मानवीय कहानी है। मैं नेटफ्लिक्स पर एक ऐसी कहानी के साथ वापसी करके बहुत खुश हूं जो भावनात्मक रूप से समृद्ध और बहुत दिलचस्प है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे जरूर देखेंगे।

फिल्म 'मारिया' को जल्दबाजी में रिलीज करने के पक्ष में नहीं हैं रोहित शेट्टी

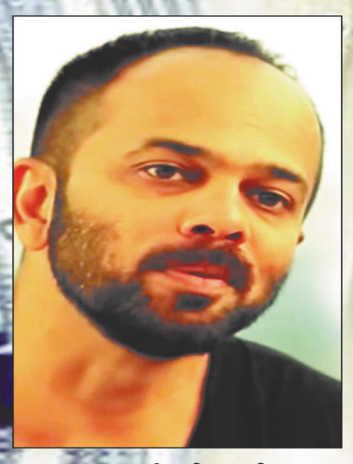

जॉन अब्राहम-तमन्ना भाटिया स्टारर प्रोजेक्ट 'मारिया' लगभग तैयार हो गया है। निर्देशक रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में राकेश मारिया की जिंदगी और मुंबई अंडरवर्ल्ड की असली जंग पर आधारित कहानी देखने को मिलेगी। हालांकि दर्शकों को इसकी रिलीज के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। आमतौर पर किसी फिल्म की 95 फीसदी शूटिंग पूरी हो जाए तो मेकर्स रिलीज डेट तलाशने लगते हैं लेकिन रोहित की इस महत्वाकांक्षी फिल्म 'मारिया' की स्थिति इसके ठीक उलट है। यह प्रोजेक्ट लगभग तैयार माना जा रहा है, बावजूद इसके इसकी बची हुई शूटिंग और रिलीज दोनों फिलहाल थमी हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक इसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि रोहित का पूरा ध्यान इस समय अपनी कॉमेडी फ्रेंचाइज गोलमाल पर है।

एसेल स्टूडियो से हुई थी शुरुआत, कुछ पैचवर्क का काम है बाकी

सूत्रों के अनुसार फिल्म की मुख्य शूटिंग तो काफी पहले पूरी हो चुकी है पर अभी कुछ पैचवर्क, क्लोज-अप शॉट्स और सीमित सीक्वेंस ही बाकी हैं। तकनीकी तौर पर प्रोजेक्ट लगभग तैयार है लेकिन मेकर्स जल्दबाजी में इसे रिलीज करने के पक्ष में नहीं हैं। फिल्म की शुरुआत मुंबई के ट्रॉम्बे स्थित एसेल स्टूडियो से हुई थी, जहां पुलिस मुख्यालय, जांच कक्ष और प्रशासनिक दफ्तरों के बड़े सेट तैयार किए गए थे।

बॉलीवुड बनाम रीजनल सिनेमा की तुलना पर बोलीं दिव्या दत्ता

आज के दौर में बॉलीवुड और रीजनल सिनेमा की तुलना करते लोग हर तरफ देखने को मिल जाएंगे। इस पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने विचार रखे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजरिए से देखना सही नहीं है। हर जगह अच्छी और खराब दोनों तरह की फिल्में बनती हैं।

असली फर्क भाषा का नहीं, बल्कि कहानी और प्रस्तुति का होता है। जब दिव्या दत्ता से पूछा कि क्या रीजनल सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड से बेहतर तरीके से पेश कर रहा है, तो इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''इस तरह की तुलना करना सही नहीं है। किसी भी कॉमेडी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी मजबूत है और उसे दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया गया है। मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा है, तो वह किसी भी भाषा में हो, दर्शकों को जरूर पसंद आता है।'' दिव्या दत्ता ने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री को भाषा के आधार पर बांटना ठीक नहीं है। चाहे फिल्म हिंदी में हो, किसी रीजनल भाषा में हो या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हो, अगर कहानी दमदार है और उसे सही तरीके से दिखाया गया है तो वह लोगों के दिलों तक पहुंचती है। आज दर्शक काफी समझदार हो चुके हैं और वे सिर्फ नाम या भाषा देखकर फिल्म को पसंद नहीं करते, बल्कि कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं।''

सेफ हैंड में है मेरा हिंदी डेब्यू अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म के संगीत को लेकर उत्साहित हैं जीवी प्रकाश

तमिल और तेलुगु सिनेमा में एक म्यूजिक कंपोजर के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद जीवी प्रकाश कुमार अब 'नई नवेली' के साथ अपनी पहली बड़ी हिंदी फिल्म का म्यूजिक देने के लिए तैयार हैं। यह प्रोजेक्ट आनंद एल राय के प्रोडक्शन हाउस का है और इसे बालाजी मोहन डायरेक्ट कर रहे हैं। म्यूजिशियन जो एआर रहमान के भतीजे भी हैं ने यामी गौतम धर की फिल्म के लिए म्यूजिक बनाने, लिप-सिंक गानों के सदाबहार आकर्षण और अपनी फीस को लेकर उड़ रही अफवाहों के बारे में बात की।

अपने डेब्यू को बताया दिलचस्प

'नई नवेली' के लिए अपना पहला पूरा हिंदी म्यूजिक स्कोर तैयार करने के बारे में 'वैरायटी इंडिया' से बात करते हुए जीवी प्रकाश कुमार ने हिंदी सिनेमा में अपने सफर को याद किया। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' पर काम करने का मौका मिला, क्योंकि अनुराग कश्यप मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। लेकिन यह मेरे लिए पूरी तरह से हिंदी डेब्यू नहीं था। जहां तक आनंद एल राय के बैनर तले बन रही 'नई नवेली' की बात है, तो मैं इसके सभी गाने कंपोज कर रहा हूं। यह बहुत दिलचस्प होगा। मुझे यकीन है कि गाने बहुत अच्छे बनेंगे। यामी गौतम इसमें लीड रोल निभा रही हैं। हम सब जानते हैं कि वह कितनी खूबसूरती से भावनाएं जाहिर करती हैं। इसलिए मेरे गाने सुरक्षित हाथों में हैं। 'नई नवेली', जिसे बालाजी मोहन डायरेक्ट कर रहे हैं एक ऐसी फिल्म होगी जिसका बेसब्री से इंतजार रहेगा।

हर म्यूजिक स्कोर मेरे लिए एक चुनौती है

जब उनसे पूछा गया कि क्या हिंदी फिल्म के लिए म्यूजिक बनाना तमिल या तेलुगु प्रोजेक्ट पर काम करने से अलग लगता है? इस पर संगीतकार ने तुरंत किसी भी तरह के फर्क की बात को नकार दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह तेलुगु या तमिल फिल्म से अलग नहीं है। हर म्यूजिक स्कोर मेरे लिए एक चुनौती होती है। भाषा से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं हर स्कोर को ऐसे बनाता हूं जैसे वह मेरा पहला स्कोर हो।

म्यूजिक कंपोजर के साथ सिंगर और एक्टर भी हैं जीवी प्रकाश

जीवी प्रकाश कुमार एक म्यूजिक कंपोजर, सिंगर और एक्टर हैं। उन्होंने 120 से ज्यादा तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। उन्हें 'सूरराई पोटरु' के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का नेशनल अवॉर्ड मिला। वे मशहूर म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान के भांजे हैं। म्यूजिक के अलावा वो तमिल सिनेमा में एक लोकप्रिय एक्टर भी हैं और अपनी 2015 की फिल्म 'डार्लिंग' के लिए जाने जाते हैं।

पुलिसवालों के प्रति मेरी समझ बहुत बढ़ गई

रियलिटी शो से लेकर टीवी और अब ओटीटी तक शालीन भनोट ने अपने करियर में लगातार नए मोड़ देखे हैं। उतार-चढ़ाव, चर्चाओं और निजी जिंदगी पर हुई सार्वजनिक बहसों के बीच उन्होंने एक बात नहीं बदली, जहां जरूरी नहीं होता, वहां वह चुप रहना बेहतर है। अपने किरदारों के लिए सख्त अनुशासन अपनाने वाले शालीन मानते हैं कि फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन जितना कठिन होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण मानसिक बदलाव भी होता है। पिछले दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में रहे।

शालीन ने कहा- मेरी जिंदगी के कई फेज पब्लिक डिस्कशन में रहे पर मैंने कोई दूरी नहीं बनाई। दरअसल, मेरी पर्सनल लाइफ मेरी है। मेरा अपना एक दायरा है और मैं उसे हमेशा मेंटेन करता हूं। मैं हमेशा से ऐसा करता आया हूं। प्रोफेशनल लाइफ अपनी जगह है। मुझे इसमें कोई तकलीफ नहीं होती। मैंने कोई दायरा बनाने के बारे में अलग से सोचा भी नहीं है। मेरी पब्लिक मेरी सब कुछ है। आज मेरे करोड़ों फॉलोअर्स हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर हैं, उन्हें मेरे बारे में सब पता है। मुझे उसमें कोई शर्म नहीं है और मैं किसी को जज भी नहीं करता। जहां मुझे नहीं बोलना होता, वहां मैं नहीं बोलता और वैसे ही अपनी पब्लिक को भी नहीं बोलता। बाकी मेरे घर में ना मीडिया वाले घुसते और ना ही फैंस क्योंकि सबकी एक सीमा होती है। मेरे लिए फिजिकल और इमोशनल दोनों ही ट्रांसफॉर्मेशन मुश्किल हैं। अगर कोई बोले कि दो महीने के अंदर पूरा लुक बदलना है तो बहुत मुश्किल हो जाती है। मैंने करके देखा है इसलिए कह रहा हूं। फिजिकल के अलावा कई बार मेंटली ज्यादा चैलेंजिंग हो जाता है। दरअसल, बोला जाता है कि यह नहीं, वो नहीं खाना है, तीन महीने बाद यह करना है। मैंने भी करीब 110 दिन बहुत डिसिप्लिन से काम किया।

पुलिसवालों के प्रति मेरी समझ बहुत बढ़ गई

एक कॉप का कैरेक्टर करने के बाद मेरी उनके प्रति समझ बहुत बढ़ गई है। कई बार हमें लगता है कि एयर होस्टेज का काम सिर्फ पानी और खाना देना है लेकिन ऐसा नहीं है। आप जब दूसरी तरफ का काम समझते हैं तो पता चलता है कि वह कितना महत्वपूर्ण है। वह आपातकाल परिस्थितियों में आपकी जान बचाती हैं। उन्हें मेडिकल नॉलेज भी दी जाती है। इसी तरह, जब पुलिसवाले को देखते हैं तो आपको लगता है कि अच्छा, यही उनका काम है लेकिन असल में उनका काम बहुत मुश्किल होता है। उसमें सही और गलत की परख करना मुश्किल है। एक पुलिसवाले के लिए, वो भी एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के लिए यह और कठिन हो जाता है। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट जो होता है, उसे एक सेकेंड में सही और गलत का फैसला करना होता है। कहां गोली मारनी है, हवा में चलानी है, पैर पर हिट करना है, मारना है या नहीं मारना है? यह जजमेंट उसे उसी पल लेना होता है। आप जब इस बात को समझते हो तो पुलिस के लिए बहुत रिस्पेक्ट बढ़ जाती है। उन्हें किसी के जीवन के बारे में फैसला लेना पड़ता है। यह बहुत मुश्किल और ट्रिकी सिचुएशन होती है।

अभी तो बहुत सारे बदलाव आने बाकी हैं

मेरा सफर रोडीज, टीवी, फिक्शन, डांस रियलिटी, बिग बॉस, बेकाबू और अब ओटीटी तक आया है। इस सफर में मैं हर फेज के बाद बदल रहा हूं। यहां तक कि जीवन के हर पल में मैं खुद को बदलता हुआ महसूस कर रहा हूं। इस साल मुझे ऐसा लगता है कि मैं बहुत सीरियसली बदल रहा हूं। हर पड़ाव में मुझे बदलाव दिखे हैं। मैंने जब बिग बॉस किया था, वह भी बहुत बड़ा पड़ाव और बदलाव था। आप जब करोड़ों लोगों के सामने एकदम से बाहर आते हो तो वह पल कमाल होता है। मैं टोरंटो में था, वहां अपना शो कर रहा था। हजारों लोग आए थे। मैंने अपने लिए स्टेडियम भरे हुए देखे हैं। मुझे लगा कि वाह क्या बात है। फिर अगले ही पल दिलजीत दोसांझ का शो देख लिया तो मन छोटा हो गया कि अभी जिंदगी में आगे बहुत कुछ पाना बाकी है। अभी तो बहुत सारे चेंजेस आने हैं और मुझे लगता है कि सारे बदलाव अच्छे ही होंगे।

टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता

टीवी और ओटीटी, दोनों मीडियम अलग हैं। टीवी ने मुझे बहुत प्यार दिया है। टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता। इसके जरिए आप हर घर में पहुंच जाते हैं। आज जितना मैं जाना जाता हूं, वह टीवी की वजह से है। वही वेब की एक रिच मार्केट और ऑडियंस है।

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR